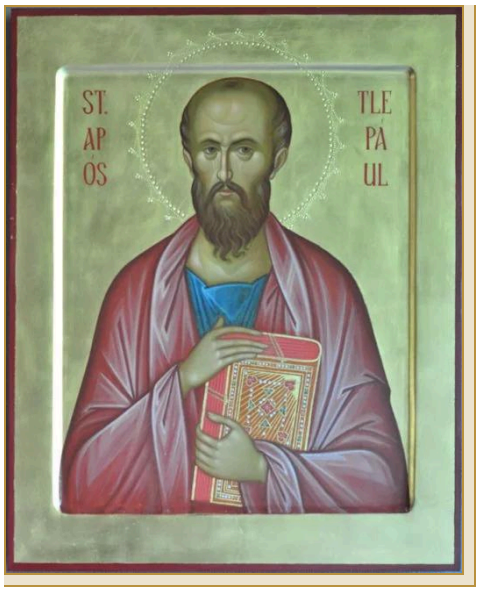


प्रेरितिक उत्तराधिकार

प्रेरित पौलुस से वर्तमान समय तक

इस उत्तराधिकार-क्रम में

बिशप*

Garland F. Byers, Jr., J.D., D.D.‡

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन

1. संत पौलुस, प्रेरित और शहीद CO

लगभग 35 ई. में प्रेरिताई के लिए बुलाए गए

पवित्रशास्त्र में उल्लेख: दमिश्क के मार्ग पर जी उठे मसीह द्वारा बुलाए गए (प्रेरितों के काम 9:3–6); “प्रेरित होने के लिये बुलाया गया” (रोमियों 1:1)

यह प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम लगभग 35 ई. में प्रेरित पौलुस से आरंभ होकर आज तक चला आता है – 2026 तक 1,991 वर्षों की अवधि।

बिशप-पद पर अभिषेक, एक से अगले को, नीचे नामित कलीसियाओं के माध्यम से किए गए।

इस उत्तराधिकार-क्रम के कुछ बिशप संतों के रूप में भी सम्मानित हैं। उनके नामों के पास दिए गए चिह्न केवल जीवन की पवित्रता से संबंधित हैं। वे किसी भी अभिषेक की वैधता पर कोई प्रभाव नहीं डालते: सूची में दिया गया प्रत्येक बिशप उत्तराधिकार में समान रूप से अपना स्थान रखता है, चाहे वह संत के रूप में सम्मानित हो या न हो।

संत संत: वह व्यक्ति जिसे कोई कलीसिया सार्वजनिक रूप से इस रूप में सम्मान देती है कि उसने वीरतापूर्ण पवित्रता का जीवन जिया और अब वह परमेश्वर के साथ है, और जिसकी स्मृति वह अपने पंचांग में रखती है। आरम्भिक कलीसिया में संतों को विश्वासियों और उनके बिशपों की सार्वजनिक स्वीकृति द्वारा मान्यता मिलती थी; बाद में, रोमन कैथोलिक कलीसिया में औपचारिक संत-घोषणा (canonization) द्वारा और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया में महिमाकरण (glorification) द्वारा।

धन्य धन्य: रोमन कैथोलिक कलीसिया में, वह व्यक्ति जिसे धन्य घोषित किया गया है (beatification); यह संत घोषित किए जाने से पहले का औपचारिक चरण है।

C रोमन कैथोलिक कलीसिया द्वारा संत या धन्य के रूप में सम्मानित।

CO रोमन कैथोलिक और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स दोनों कलीसियाओं द्वारा संत के रूप में सम्मानित।

लाल शहीद: वह जिसने विश्वास के लिए अपने प्राण दिए।

कौन संत है, इस पर कलीसियाएँ सदा सहमत नहीं होतीं। एक कलीसिया किसी ऐसे व्यक्ति को सम्मान दे सकती है जिसे दूसरी नहीं देती, और चिह्न दर्शाते हैं कि प्रत्येक को कौन-सी कलीसिया सम्मान देती है।

आर्ल

गॉल में आर्ल का पीठ, जिसकी स्थापना प्रेरित पौलुस के शिष्य संत त्रुफिमुस ने की। इसी पीठ से संत ऑगस्टीन ने इंग्लैंड के अपने मिशन के लिए बिशप-पद पर अभिषेक प्राप्त किया।

2. संत त्रुफिमुस CO 58
3. Dionysius 80
4. Regulus 85
5. Felicissimus 100
6. Gratus 120
7. Ambrosius 145
8. Martinus 170
9. Ingenuus 180
10. Augustinus 200
11. Hieronymus 220
12. Savitius 230
13. Marcianus 240
14. Victor 250
15. Marinus 270
16. Martinus II 270
17. Nicasius 330
18. Valentinus 342
19. Saturninus 354
20. Crescentius 365
21. Concordius 380
22. Constantinus 392
23. Heros 410
24. Patroclus 422
25. संत Honoratus CO 426
26. संत Hilarius CO 438
27. Ravennius 449
28. Leontius 463
29. Aeonius 493
30. संत Caesarius CO 502
31. Auxanius 542
32. संत Aurelianus CO 546
33. Sapaudus 556
34. Licerius 586
35. संत Virgilius CO 588

कैंटरबरी

कैंटरबरी का पीठ, जिसकी स्थापना संत ऑगस्टीन ने की, जिन्हें पोप संत ग्रेगरी महान ने 597 में अंग्रेज़ों तक सुसमाचार पहुँचाने के लिए भेजा।

36. कैंटरबरी के संत ऑगस्टीन CO 597
37. संत Laurence CO 604
38. संत Mellitus CO 619
39. संत Justus CO 624
40. संत Honorius CO 627
41. संत Deusdedit CO 655
42. तरसुस के संत Theodore CO 668
43. संत Brihtwald CO 693
44. संत Tatwine CO 731
45. संत Nothelm CO 735

46. Cuthbert 740
47. संत Bregowine CO 759
48. Jaenberht 766
49. Æthelhard 793
50. Wulfred 805
51. Feologild 832
52. Ceolnoth 833
53. Æthelred 870
54. Plegmund 890
55. संत Athelm CO 914
56. Wulfhelm 923
57. संत Oda CO 942
58. संत Dunstan CO 960
59. Æthelgar 988
60. Sigeric 990
61. Ælfric 995
62. संत Ælfheah CO शहीद 1006
63. Lyfing 1013
64. Æthelnoth 1020
65. Eadsige 1038
66. ज्यूमिएज के Robert 1051
67. Stigand 1052
68. Lanfranc 1070
69. संत Anselm C 1093
70. Ralph d'Escures 1114
71. William de Corbeil 1123
72. बेक के Theobald 1139
73. संत Thomas Becket C शहीद 1162
74. डोवर के Richard 1174
75. फोर्ड के Baldwin 1185
76. Reginald Fitz Jocelin 1191
77. Hubert Walter 1193
78. Stephen Langton 1207
79. Richard le Grant 1229
80. संत Edmund Rich C 1234
81. सेवॉय के धन्य Boniface C 1245
82. Robert Kilwardby 1273
83. John Peckham 1279
84. Robert Winchelsey 1294
85. Walter Reynolds 1313
86. Simon Mepham 1328
87. John Stratford 1333
88. Thomas Bradwardine 1349
89. Simon Islip 1349
90. Simon Langham 1366
91. William Whittlesey 1368
92. Simon Sudbury 1375
93. William Courtenay 1381
94. Thomas Arundel 1396
95. Henry Chichele 1414
96. John Stafford 1443
97. John Kemp 1452
98. Thomas Bourchier 1454
99. John Morton 1486
100. Henry Deane 1501
101. William Warham 1503
102. Thomas Cranmer 1533

चर्च ऑफ़ इंग्लैंड

धर्मसुधार (Reformation) के बाद, चर्च ऑफ़ इंग्लैंड के बिशप, जिनमें से प्रत्येक को अपने से पहले सूचीबद्ध बिशप ने अभिषिक्त किया।

103. John Scory 1551
104. Matthew Parker 1559
105. Edmund Grindal 1559
106. John Whitgift 1577
107. Richard Bancroft 1597
108. George Abbot 1609
109. George Montaigne 1617
110. William Laud 1621
111. Brian Duppa 1638
112. Gilbert Sheldon 1660
113. Henry Compton 1674
114. William Sancroft 1678
115. Jonathan Trelawny 1685
116. John Potter 1715
117. Thomas Herring 1738
118. Frederick Cornwallis 1750
119. John Moore 1775

अमेरिका

William White से, जिन्हें 1787 में Lambeth Palace में संयुक्त राज्य अमेरिका की कलीसिया के लिए अभिषिक्त किया गया, उन बिशपों तक जिन्होंने यह उत्तराधिकार-क्रम आज तक आगे बढ़ाया है।

120. William White 1787
121. Benjamin Treadwell Onderdonk 1830
122. Samuel Allen McCoskry 1836
123. William Edward McLaren 1875
124. William Montgomery Brown 1898
125. Wallace David de Ortega Maxey 1927
126. Nils Bertil Alexander Persson 1986
127. Samuel Guido, Jr. 2004

128.

Garland F. Byers, Jr.

2013

कैंटरबरी की आर्चबिशप के साथ साझा उत्तराधिकार

कैंटरबरी की वर्तमान आर्चबिशप, सारा मुलाली (Sarah Mullally), और बिशप बायर्स संत पौलुस से Thomas Herring (अभिषिक्त 1738; कैंटरबरी के आर्चबिशप 1747–1757) तक प्रेरितिक उत्तराधिकार का एक ही क्रम साझा करते हैं। आर्चबिशप Herring ने अपने ही हाथों से उन बिशपों को अभिषिक्त किया जिनसे दोनों क्रम निकलते हैं: आर्चबिशप मुलाली के क्रम में Robert Hay Drummond को, 1748 में; बिशप बायर्स के क्रम में Frederick Cornwallis को, 1750 में।

पवित्र दीक्षा

पुरोहित-अभिषेक

17 अगस्त 2008, हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel, पामर्टन, पेंसिल्वेनिया में।

बिशप-पद पर अभिषेक

20 अप्रैल 2013, पवित्र प्रभु-भोज के अनुष्ठान के दौरान हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel में, जिसकी सभा उस दिन American Legion Post 16, स्लैटिंगटन, पेंसिल्वेनिया में हुई थी।

प्रमुख अभिषेककर्ता

बिशप Samuel Guido, Jr.

सह-अभिषेककर्ता

बिशप Bradley A. Varvil

बिशप Michael Byus

बिशप James Thompson

सुसमाचार के सेवक के रूप में अभिषेक और बिशप-पद पर अभिषेक के प्रमाण-पत्र, बिशप-पद पर अभिषेक के छायाचित्रों सहित, बिशप के विषय में पृष्ठ पर प्रस्तुत हैं।

सेवा

20 अप्रैल 2013 को Lutheran Orthodox Church, Inc. के भीतर बिशप-पद पर अभिषेक, जिसमें उन्होंने बाद में Western North Carolina धर्मप्रांत के आर्चबिशप के रूप में सेवा की। बिशप बायर्स अब उस संस्था से संबद्ध नहीं हैं।

डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी (मानद, honoris causa), Lutheran Orthodox Church, Inc. द्वारा 20 अप्रैल 2013 को प्रदान की गई।



इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।

संत पौलुस का आइकन, St. Paul's Episcopal Church, सिएटल। छायाचित्र: Joe Mabel, Wikimedia Commons के माध्यम से, CC BY-SA 3.0 लाइसेंस के अंतर्गत; मूल से आकार बदला गया।